

**Code No.: MFVJG-25**

Total No. of Questions : 8

Total No. of Printed Pages : 1

**स्नातकोत्तरपरीक्षा:- २०१५**

**एम्.ए. - विद्वदुत्तमा - प्रथमवर्षम्**

**शास्त्रम् - जैनसिद्धान्तशास्त्रम्**

**भाग: - I, पत्रिका - V**

**विषय: - जैनदर्शनइतिहासः**

**दिनाङ्कः - 30-3-2015**

**गरिष्ठाङ्काः - ८०**

**समयः - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.**

**Max. Marks - 80**

- 
- |   |    |
|---|----|
| I. जैनदर्शनस्य महत्वं ग्रन्थानुसारेण विवृणुत।     | 10 |
| II. वेदपुराणेषु जैनदर्शनस्य अस्तित्वं प्रतिपादयत। | 10 |
| III. तत्त्वाः कति? तेषां नामानि विलिख्य विशदयत।   | 10 |
| IV. उमास्वामि कः? तस्यकालदेशादिकं लिखत।           | 10 |
| V. दशधर्मान् विलिख्य तेषां विशिष्टं विचारयत।      | 10 |
| VI. नैष्टिकश्रावक्स्य लक्षणं विलिख्य विवृणुत।     | 10 |
| VII. भङ्गाः कति? तेषां नामानि विलिख्य विचारयत।    | 10 |
| VIII. एतेषां स्वरूपं विशदयत।                      | 10 |
| १. मोक्षमार्गः।                                   |    |
| २. जीवः।  |    |
-